

- 3) largiri. RIGV. 33. 21.: पृणीत भेषजम्. 4) servare, tutari, custodire. RIGV. V. (v. Westerg.): ता अंहसः पि-पृहि. 5) trajicere, traducere. *ibid.*: पारं नः ... पर्षन्; v. अतिपृ, तिरःपृ. (V. पृ, पूर, पूल्, पृष्, पूष् et cf. gr. *πίμπλημι* cum *पिपर्मि*; cum *part. pass.* पूर्ण impletus, plenus cf. lith. *pilna-s*, lat. *plenus*, goth. *fulls*, Them. *fulla* per assimil. e *fulna*; cum formâ पूर्त cf. hib. *pailt* «abundant, plentiful, copious», lith. *pri-pilla-s* plenus.)
- c. अति trajicere, traducere. RIGV. 97. 8.: स नः सिन्धुम् इव नावया 'तिपर्षा (= अतिपर्ष, imper. praet. mif.); 99. 1.: स नः पर्षद् अति दुःखानि.
- c. अभि implere. अभिपूर्णा impletus, plenus. DR. 4. 19.
- c. तिरस्त्र trajicere, traducere. RIGV. V. (v. Westerg.): दुर्गा पिपृतन् तिरो नः.
- c. परि परिपूर्णा impletus, plenus. N. 13. 64.
- पेट *m.* (r. पिट् s. अ) corbis, canistrum. AM. 7. sq.
- पेटक *m.n.* (r. पिट् s. अक) *id.* UR. 86. 3.
- पेष् 1. *p.* (विषगतिश्लेषेषु) conterere, ire, amplecti.
- पेल् 1. *p.* (गतौ *k.* चाले गतौ *r.*, proprie पिल् q.v.) ire, se movere, vacillare. (Cf. चल e कल्.)
- पेलव tener, tenuis, subtilis. AM.
- पेव् 1. *A.* (सेवने *k.* सेवे *r.*) servire, colere, venerari. Cf. मेव, म्लेव, प्रेव, सेव.
- पेशल (r. पिष् s. अल) 1) pulcher, gratus, suavis, amoenus. MEGH. 75. (Schol. मनोहर). 2) *ut videtur*, indutus, conjunctus, praeditus. SA. 5. 35.: शक्तिपेशल; UP. 3.: प्रीतिपेशल.
- पैतामह (a पितामह avus paternus) avitus, ad avum paternum spectans.
- पैतृक (a पितृ s. क) paternus. MAN. 9. 104.
- पैशुन *n.* (a पिशुन crudelis, vilis) crudelitas, improbitas.
1. पोत *m.* (*fem.* पोती, fortasse a r. पुष् abjecto ष, nisi potius पोत pro पात, a r. पा nutrire, ita ut आ attenuatum sit in ऊ, unde ओ adjecto *gunae* incremento; v. पोत्र et cf. Pott. I. 193.) pullus, catulus. H. 2. 18. (Cf. lith. *pauta-s* ovum; gr. *πω-λος*; lat. *pullus*, *pūsus*; goth. *fula* pullus, Them. *fulan*; germ. vet. *folo m.*, *fuli n.*; v. r. पाल्.)
2. पोत *m.* (*ut videtur*, a r. पू s. त) *navicula*, *scapha*. 75. 4.
- पोत्र *n.* (*ut videtur*, pro पात्र a r. पा s. त्र, v. पोत) *rostrum suis*. RITU-S. 1. 17. (Hib. *bus* «a mouth, a lip, a snout», *pus* «a lip».)
- पोत्रिन् *m.* (a praec. s. इन्) *sus*. AM.
- पोषण *n.* (r. पुष् s. अन्न) *actio alendi, nutriendi*. BR. 2. 8.
- पौत्र *m.* (a पुत्र s. अ) *fili filius, nepos*.
- पौर *m.* (a पुर urbs s. अ) *oppidanus*. N. 25. 7.
- पौरव (a पुरु s. अ, v. gr. 650.) *ad Purum pertinens, Purās proprius, a Puru oriundus*. IN. 5. 40.
- पौरुष *n.* (a पुरुष s. अ) 1) *virilitas*. 2) *actio hominum*. HIT. 6. 14. 3) *semen virile*.
- पौर्णमास (*fem.* ई, a पूर्णमास plenilunium suff. अ) *ad plenilunium pertinens, plenilunium habens, e. c. पौर्णमासी निशा plenilunii nox*. N. 16. 14.
- पौर्वदेहिक (a पूर्वदेह prius corpus suff. इक) *ad prius corpus pertinens, prioris corporis proprius*. BH. 6. 43.
- पौर्वाहिक (a पूर्वाह्न q.v. s. इक) *antemeridianus*. SA. 4. 10. 7. 1.
- पौलोम (a पुलोमन् s. अ) *a Pulōmano oriundus*. A. 10. 2.
- पौलोमी *f.* (Pulōmani filia, a praec. signo *fem.* ई) *cognomen Sacīae, Indri uxoris*. UR. 49. 4.
- प्याय् 1. *A.* *i. q.* व्यै.
1. प्युष् 4. *P.* (भागे दहि) *dividere, distribuere; urere*. (Cf. उष्, unde प्युष् urere praef. पि.)
2. प्युष् 10. *P.* (उत्सृजे *k.* उत्सृजि *r.*) *dimittere*. Cf. व्युष्.
- व्यै 1. *A.* (वृद्धौ) *pinguescere, crescere*. *Part. pass.* पीन pinguis, corpulentus, crassus, turgidus. N. 5. 6. *Etiā* प्यान. PAN. VI. 1. 28. (V. पीवर et cf. gr. *πῖαρός*, *πῖας*, *πῖων*, *πῖμελής*; lat. *pinguis*; island. vet. *feit-r* pinguis; anglo-sax. *faett*; germ. vet. *feizt*; nostrum *feist*, *fett*; v. Graff. III. 738.)
- c. आ 1) *pinguescere, crescere*. RIGV. 91. 16.: आप्याय-